हरिभूमि
# रत्न भूमि
रायपुर, गुरुवार 2 अक्टूबर 2025

तापमान
अधिकतम 29.0 डिग्री
न्यूनतम 24.0 डिग्री



**खबर संक्षेप**

### परसदा में लाखों के विकास कार्यों का किया लोकार्पण

**अभनपुर।** विद्या मंदिर परसदा में लाखों के विकास कार्यों का लोकार्पण किया गया । गांव में नाली निर्माण, सडक़ निर्माण, तालाब गहरीकरण, पचरी का जीर्णोद्धार, शीतला घाट में चबूतरा निर्माण, हटरी चौक और बाजार चौक में कांक्रीटी कार्य समेत कई विकास कार्यों का सरपंच एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियो द्वारा लोकार्पण किया गया। इस मौके सरपंच किरण कुमार साहू, उपसरपंच जगदीश साहू, पूर्व सरपंच सीताराम साहू, राजकुमार नेताम, कुलेश्वर नेताम, बिशेषर कश्यप, विजय साहू, नरोत्तम निर्मलकर, हीरा निषाद व ग्रामीण मौजूद रहे।

### तलवार लहराकर दहशत फैलाने वाला हुआ गिरफ्तार

**रसेला।** छुरा पुलिस ने तलवार लहराकर राहगीरों को धमकाने वाले युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी युवक सार्वजनिक जगह पर तलवार से लोगों को डरा धमका रहा था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से हथियार भी बरामद किया गया है। जानकारी के अनुसार छुरा थाना क्षेत्र के कनसिंधी गांव के मंदिर पारा चौक में मंगवार को उस वक्त हड़कंप मच गया जब एक युवक हाथ में धारदार तलवार लहराते हुए आने-जाने वालों को गाली-गलौज कर डरा धमका रहा था। घटना की सूचना मुखबिर से मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान चुम्मन नायक 33 वर्ष निवासी कनसिंधी के रूप में हुई है।

# माता की विदाई पर शीतला तालाब में उमड़ा जनसैलाब

- विसर्जन के दौरान भक्तिनों ने जताई गहरी आस्था, पुलिस ने की भीड़ नियंत्रण की व्यवस्था

**नवापारा-राजिम।** नवापारा-राजिम में बुधवार को मां दुर्गा के विसर्जन के अवसर पर सुबह 10 बजे से लेकर देर शाम तक भक्तों का जनसैलाब शीतला तालाब की ओर उमड़ पड़ा। विभिन्न मुहल्लों और चौक-चौराहों से विराजित मां दुर्गा की प्रतिमाओं और जंवारा के साथ श्रद्धालु लगातार निकले और पूरे शहर में देवी मां के जयकारों की गूंज सुनाई दी। शीतला तालाब जाने वाले मार्ग पर खचाखच भरी भीड़ ने भक्तिमय माहौल को और भी रंगीन बना दिया। माता के सेवा में जुटे लोग ढोल-मजीरों के साथ जसगीत गाते हुए, तो युवतियां और महिलाएं सिर पर जंवारा लेकर कतारबद्ध रूप में आगे बढ़ती रहीं। बीच-बीच में कई श्रद्धालु महिलाएं जमीन पर लेटकर अपनी आस्था प्रकट करती नजर आईं, जिनके ऊपर से जंवारा लिए हुए अन्य भक्त गुजर रहे थे। माता की प्रतिमाओं को ट्रैक्टरों में सवार कर बच्चे, महिलाएं और अन्य भक्त भक्ति रस में डूबे हुए झूमते हुए शीतला तालाब के घाट की ओर जा रहे थे। स्थानीय जनप्रतिनिधि और नेता भी इस विसर्जन शोभा यात्रा में सहभागी थे। शीतलापारा की सड़कों और गलियों में मेले जैसा माहौल था। शीतला तालाब के घाट पर परंपरागत तरीके से प्रतिमाओं तथा जंवारा को विसर्जित कर ठंडा किया गया। मार्ग में कई स्थानों पर समाजसेवकों और भक्तों द्वारा ठंडा पेय और शुद्ध जल की व्यवस्था की गई थी। भीड़ नियंत्रण के लिए पुलिस ने विशेष ड्यूटी लगाई थी ताकि शांति और व्यवस्था बनी रहे।

**विसर्जन की परंपरा**
शीतला तालाब में मां दुर्गा की प्रतिमाओं और जंवारा का विसर्जन श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख हिस्सा है। इस दौरान भक्तजन माता की शक्ति का अनुभव करते हुए पूजा-अर्चना और झूपते हुए चलते हैं।

**सुरक्षा व व्यवस्थाएं**
भीड़ नियंत्रण के लिए पुलिस के जवानों को विसर्जन मार्ग पर तैनात किया गया था। साथ ही मार्ग में ठंडा पेयजल और शुद्ध पानी का इंतजाम भी किया गया ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

### 1914 से चली आ रही शाही दशहरा परंपरा में ग्राम देवी-देवता करते हैं लंकेश्वरी देवी के नेतृत्व में परिक्रमा

# देवभोग का अनोखा दशहरा: लंकेश्वरी देवी की परिक्रमा के बाद करते हैं रावण दहन

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर

- कंचना ध्रुवा की पताका से रावण का दहन और गांवों की 84 देवी-देवताओं का आयोजन में विशेष योगदान

छत्तीसगढ़ अपनी अनोखी परंपराओ के लिए जाना जाता है विजयादशमी के मौके पर ऐसी की एक अनोखी परंपरा देखने को मिलती है गरियाबंद जिले के देवभोग में जहां लंकेश्वरी देवी रावण की परिक्रमा करती है उसके बाद ही लंकेश का दहन होता है। देवभोग में 1914 में लंकेश्वरी देवी का मंदिर बनाया गया, जहां बलि प्रथा की मान्यता थी। आज विजयदशमी यानी दशहरा का पर्व है। पूरे देश में रावण दहन की तैयारी चल रही है।

छत्तीसगढ़ भी इससे अछूता नहीं है। खास बात यह है कि यहां रावण के पुतले को जलाने से पहले लंकेश्वरी देवी परिक्रमा और पूजा की जाती है। मिली जानकारी के अनुसार 16वीं शताब्दी में कलिंग के राजा देवी को लंका से लेकर आए थे और फिर उनकी प्रतिमा स्थापित की। मान्यता है कि लंकेश्वरी युद्ध और विजय की देवी हैं। वे सारे कष्ट हर लेती हैं।

#### ईष्ट देव कंचना ध्रुवा पताके से मारते हैं रावण को

दरअसल, देवभोग के दशहरा का इतिहास 200 साल से भी ज्यादा पुराना है। इसे शाही दशहरा का दर्जा मिला हुआ है। दशहरे के दिन आसपास के गांव में विराजित ग्रामो के देवी देवताओं के रूप में अपनी ध्वज पताका के साथ देवभोग पहुंचते हैं। फिर लंकेश्वरी देवी के नेतृत्व में रावण के पुतले की परिक्रमा की जाती है। इसके बाद जमींदारों के ईष्ट देव रहे कंचना ध्रुवा अपनी पताका से पुतले को मारते हैं, तब रावण दहन किया जाता है। यह परंपरा तत्कालीन जमींदार नागेंद्र शाह के पूर्वजों के जमाने से चली आ रही है।

#### 84 ग्राम देवताओं को भेजा जाता था निमंत्रण

बताया जाता है कि पहले 84 गांव की ग्राम देवी देवताओं को आमंत्रित किया जाता था। करीब 80 साल से शाही दशहरा से लेकर देवी-देवताओं के पूजन की जिम्मेदारी दाऊ परिवार के पास है। अब तीसरी पीढ़ी के मुखिया दशहरे की रस्म निभाते हैं। देवभोग से करीब 35 किमी दूर जूनागढ़ में लंकेश्वरी देवी का मंदिर स्थापित है।

#### लंकेश की परिक्रमा करते हैं ग्राम देवी-देवता

देवभोग से 35 किमी दूर स्थित जूनागढ़ में भी लंकेश्वरी देवी का मंदिर है। मध्यकालीन इतिहास में पश्चिम ओडिशा यानी उस वक्त के कलिंग क्षेत्र में सोम, छिंदका, नागा, गंगा, नागवंशी राजाओं का उल्लेख है। 18वीं शताब्दी के बाद कलिंग के इस इलाके तक ईस्ट इंडिया कंपनी की पहुंच हो चुकी थी। नागेंद्र शाह का परिवार छुरा से लेकर देवभोग तक जमींदारी संभाल रहा था। जूनागढ़ क्षेत्र के जमींदारो से भी उनके मधुर संबंध थे। वहां से वे देवी लंकेश्वरी की मूर्ति लेकर आए थे।

#### रावण वध की सूचना पर एकत्र होती है ग्राम देवियां

रावण वध की सूचना पर ग्राम देवियां यहां एक स्थान पर सब एकत्र होती हैं। यहां से केवल 150 किलोमीटर दूरी पर बसे देवभोग में भी दंडकारण्य का प्रभाव था। देवभोग में भी मां लंकेश्वरी देवी का मंदिर स्थित है। इस इलाके के लोग इन पर बहुत आस्था रखते हैं। ग्रामीण इसके बारे में जानकारी देते हैं साल में एक बार सिर्फ विजयादशमी के दिन ही मंदिर का पट खुलता है। हालांकि हर मंगलवार को बंद पट के बाहर ही लोग पूजा करते हैं। देवी का एक स्थान बरही ग्राम में भी मौजूद है। दशहरा के दिन ग्राम देवियों के पूजन के साथ ही गांववाले मां लंकेश्वरी की भी पूजा करते हैं।

# नवरात्रि पर्व पर सारागांव में श्रद्धा-भक्ति का अनूठा संगम

हरिभूमि न्यूज ⏭ छुरा

- ग्रामवासियों ने माँ दुर्गा की आराधना में जताई अपार आस्था
- ज्योत-जवारा विसर्जन में उमड़ी भारी श्रद्धालुओं की भीड़

क्वार नवरात्रि का पावन पर्व श्रद्धा और आस्था के साथ पूरे ब्लॉक क्षेत्र में बड़े हर्षोल्लास से मनाया गया। नवरात्रि के अवसर पर क्षेत्र के अनेक ग्रामों में श्रद्धालुओं ने माँ दुर्गा की प्रतिमाओं की स्थापना कर अखंड ज्योति प्रज्वलित की और माँ शक्ति की आराधना में लीन होकर भक्तिभाव से विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान किए। इसी क्रम में ग्राम सारागांव में भी नवरात्रि पर्व का आयोजन बड़े ही श्रद्धापूर्वक एवं उत्साह के साथ किया गया।

ग्रामवासी चमन लाल देवांगन के निवास पर पारंपरिक ज्योत-जवारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नौ दिनों तक लगातार भक्तों ने माँ दुर्गा की साधना कर घर-परिवार एवं समाज के कल्याण की मंगलकामना की। कार्यक्रम के दौरान ग्राम के नागरिकों सहित आसपास के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन हेतु पहुँचे और माता रानी के दरबार में मत्था टेककर आशीर्वाद प्राप्त किया।

#### ज्योत-जवांरा का किया विसर्जन

नवमी तिथि को पूजा-अर्चना एवं हवन के बाद पारंपरिक रीति-रिवाज के अनुसार ज्योत-जवारा विसर्जन किया गया। विसर्जन यात्रा में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी, जहाँ महिलाएँ मंगल गीत गाते हुए तथा पुरुष ढोल-ढमाके एवं जयकारों के साथ यात्रा में सम्मिलित हुए। पूरे ग्राम में भक्ति और उल्लास का वातावरण छाया रहा। भक्तों ने कहा कि नवरात्रि पर्व शक्ति की उपासना का प्रतीक है, जो समाज में एकता, आस्था और सांस्कृतिक परंपराओं को मजबूत करता है। ग्राम सारागांव का यह आयोजन क्षेत्र के लिए आस्था और भक्ति का एक अनूठा उदाहरण रहा।

# बिजली बिल बढ़ोतरी के खिलाफ युवा कांग्रेस का हल्ला बोल

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर

- बिजली बिल जलाकर भाजपा सरकार के खिलाफ जताया विरोध, भारी पुलिस बल तैनात

छत्तीसगढ़ में हाफ बिजली योजना बंद होने और लगातार बिजली बिलों में वृद्धि से नाराज लोगों का आक्रोश अब सड़कों पर नजर आने लगा है। बुधवार को ब्लॉक युवा कांग्रेस मैनपुर ने बिजली कार्यालय का घेराव कर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान बिजली बिल जलाए गए और भाजपा सरकार के खिलाफ नारे लगाए गए।

प्रदर्शन का नेतृत्व ब्लॉक युवा कांग्रेस अध्यक्ष सोहन नागेश ने किया, जिनके नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह से जंगी रैली निकाली और बिजली कार्यालय तक मार्च करते हुए अपनी नाराजगी जाहिर की। प्रदर्शन में युवा कांग्रेस अध्यक्ष सोहन नागेश, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष रामकृष्ण ध्रुव, महामंत्री गेंदु यादव, पूर्व उपसरपंच रोहन मरकाम, भिलेलवर ध्रुवा, रेवन दीवान, धनसुराम दीवान, पवन जगत, रामभरोसा नेताम, फरस नेताम, तनवीर राजपूत, दुलेन्द्र नेगी, भरत लाल, राकेश ठाकुर सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल रहे। प्रदर्शन के मद्देनजर मैनपुर बिजली कार्यालय में भारी पुलिस बल तैनात किया गया था।

#### बिजली बिल नहीं घटा तो होगा उग्र आंदोलन – कांग्रेस नेता

युवा कांग्रेस युवा कांग्रेस नेताओं का कहना है कि भाजपा सरकार ने सत्ता में आते ही आम जनता को राहत देने वाली हाफ बिजली योजना को खत्म कर दिया और अब लगातार बिजली दरें बढ़ाकर जनता को आर्थिक रूप से तोड़ा जा रहा है। उन्होंने सरकार को चेतावनी दी कि जब तक बिल कम नहीं किए जाते, विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष रामकृष्ण ध्रुव और महामंत्री गेंदु यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने गरीब, किसान और मध्यम वर्गीय लोगों को नजरअंदाज कर दिया है। अगर बिजली बिल में राहत नहीं दी गई, तो आने वाले समय में प्रदेशव्यापी आंदोलन छेड़ा जाएगा।

# अंचल में हुआ जोत जवांरा का विसर्जन

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजिम

समूचे अंचल में 9 दिनो तक मां अंबे की पूजा-अर्चना के साथ धूमधाम से नवरात्रि पर्व मनाया गया। बुधवार को मां दुर्गा की प्रतिमा को धूमधाम से बाजे- गाजे के साथ शोभायात्रा निकालकर नदी,तालाब में नम आंखो से श्रद्धालुओ ने विसर्जित किया। इस दौरान बच्चे, महिला ,पुरुष जस गीत के साथ झुमते हुए चल रहे थे। कुछ बाना सांग भी लिए हुए थे।

सुबह 9 बजे नगर के प्राचीन मां महामाया मंदिर से जोत जवारा विसर्जन के लिए निकला जिसे तालाब में विसर्जन किया गया। गांव के शीतला मंदिरों व घरों में बोए गए जंवारा का भी विसर्जन किया गया।

# भाजपा प्रवक्ता पर कांग्रेस ने की एफआईआर दर्ज करने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ गरियाबंद

जिला मुख्यालय गरियाबंद में सोमवार को कांग्रेसजनों ने भाजपा प्रवक्ता प्रिंटू महादेवा के खिलाफ कोतवाली थाना पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई। कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा प्रवक्ता लगातार कांग्रेस सांसद और पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी एवं गांधी परिवार के खिलाफ अभद्र और अशोभनीय टिप्पणी कर रहे हैं, जिससे कार्यकर्ताओं की भावनाएं आहत हो रही हैं।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया कि राहुल गांधी देश के सम्मानित नेता हैं, जिन्होंने लोकतंत्र की रक्षा और भाईचारे के लिए भारत जोड़ो यात्रा जैसे ऐतिहासिक आंदोलन किए। ऐसे में उनके खिलाफ की जा रही अमर्यादित टिप्पणी न केवल व्यक्तिगत आक्षेप है बल्कि समाज में नफरत फैलाने का षड्यंत्र भी है। कांग्रेस नेता भवानी शंकर शुक्ल ने कहा कि भाजपा नेताओं की बयानबाजी लोकतांत्रिक मूल्यों और राजनीतिक शिष्टाचार के खिलाफ है। उन्होंने मांग की कि तत्काल प्रकरण दर्ज कर दोषियों पर कठोर कार्रवाई की जाए, अन्यथा जिलेभर में उग्र आंदोलन किया जाएगा।

### शारदीय नवरात्रि में श्रद्धालुओं ने की विश्व शांति और समृद्धि की कामना

# गायत्री प्रज्ञा मंडल में महाअष्टमी-महानवमी पर हवन सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ छुईहा बेलर

- गायत्री परिवार के साधकों का अनुष्ठान में छलका उत्साह

शारदीय नवरात्र महापर्व के अंतर्गत मां गायत्री माता की उपासना का नौ दिवसीय अनुष्ठान महाअष्टमी हवन एवं महानवमी उत्सव के साथ श्रद्धा-भक्ति पूर्वक सम्पन्न हुआ। परंपरा के अनुसार नवरात्र की पूजा हवन के बिना अधूरी मानी जाती है। हवन यज्ञ का प्रमुख अंग है, जिसके माध्यम से साधक देवी शक्ति को आहुति समर्पित कर अपने संकल्पों को पूर्णता प्रदान करते हैं। इसी क्रम में गायत्री मंदिर प्रज्ञा मंडल छुईहा में बुधवार को एक कुण्डीय गायत्री विधि यज्ञ हवन का आयोजन हुआ।

कार्यक्रम में गायत्री परिवार और अनुष्ठानधारियों ने सामूहिक रूप से भाग लिया। यज्ञ की पूर्णाहुति 'सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः' के भाव के साथ की गई, जिसमें विश्व शांति, समस्त जीव कल्याण और समृद्धि की कामना निहित रही।हवन अनुष्ठान के दौरान यज्ञकर्ता ने बताया कि हवन केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि मानव जीवन को संस्कारित करने और आत्म-शुद्धि की प्रक्रिया है। अग्निहोत्र से साधक को आध्यात्मिक शांति प्राप्त होती है और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इस अवसर पर गायत्री परिवार के सदस्य, अनुष्ठान साधक और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे तथा देवी शक्ति से लोकमंगल और समृद्धि की प्रार्थना की।

#### महाआरती में उमड़ा भक्तों का सैलाब

शारदीय नवरात्र पर्व के अवसर पर दुर्गोत्सव बस स्टैंड छुईहा में महाष्टमी की संध्या वंदन पर भव्य महाआरती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महिला, युवती सहित सैंकड़ों श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। आरती के लिए श्रद्धालुओं ने विशेष तैयारी की थी।महिलाएं और युवतियां थाली सजाकर लाईं थीं, जिनमें पांच-पांच दीपक जलाकर मां दुर्गा के जयघोष के साथ आराधना की गई। महाआरती के दौरान पूरा वातावरण जय माता दी के उद्घोष से गूंज उठा। आरती और प्रार्थना के उपरांत भक्तों ने सुख-समृद्धि, शांति और मंगल की कामना की। भक्तिमय माहौल में आयोजित इस महाआरती ने नवरात्र उत्सव को और अधिक गरिमामय बना दिया।

## ग्रामीण क्षेत्रों में नौ कन्याओं को भोजन व उपहार देकर किया गया सम्मानित

# कोपरा में महानवमी पर हवन-पूजन से भक्तिमय हुआ माहौल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोपरा

कोपरा नगर में शारदीय नवरात्र के महानवमी के अवसर पर सोमवार को विभिन्न दुर्गा पूजा पंडालों में विधिपूर्वक हवन-पूजन किया गया। पूजा के बाद जगह-जगह भंडारे की तैयारियां भी जोरों पर रहीं, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु सेवा कार्य में जुटे नजर आए।

ग्राम सभा गौरा में पंडितों के मंत्रोच्चार के बीच हवन संपन्न हुआ, जहां महिलाओं और पुरुषों ने हवन सामग्री लेकर हवन कुंड में आहुतियां अर्पित कीं। सुबह से ही पंडालों में सफाई-सज्जा का क्रम चलता रहा। हवन कुंडों को रंगोली से सजाया गया और आम की सूखी लकड़ियों का उपयोग कर अग्नि प्रज्वलित की गई।

■ नगर के दुर्गा पंडालों में विधि-विधान से हुई पूजा-अर्चना

शिव चौक दुर्गा उत्सव समिति के पंडाल में नगर पुरोहित मेघानंद शुक्ला की मौजूदगी में घी, नारियल जल और हवन सामग्री अर्पित कर भक्तिमय वातावरण बनाया गया। महानवमी के दिन कई पंडालों में भंडारे का आयोजन भी हुआ। जिन पंडालों का मूर्ति विसर्जन 2 अक्टूबर को होना है, वहां आज के दिन हवन-पूजन कर धार्मिक विधि पूरी की गई। नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में नव कन्याओं के भोजन एवं सम्मान की भी परंपरा निभाई गई। बड़ी संख्या में कन्याओं को भोजन कराया गया और उपहार भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया गया, जिससे पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना रहा।

### हवन पूजा की विशेषताएं

हवन पूजा में आम की सूखी लकड़ी का उपयोग किया जाता है, जिससे पवित्र अग्नि प्रज्वलित होती है। मंत्रोच्चार के साथ आहुतियां देने से वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा फैलती है, जो मनोवैज्ञानिक और आध्यात्मिक रूप से शांति प्रदान करती है।

### नव कन्या भोजन का महत्व

नव कन्या भोजन परंपरा में कन्याओं को भोजन कराकर और उपहार देकर उनका सम्मान किया जाता है। यह संस्कार मातृशक्ति की पूजा का प्रतीक है और समाज में सम्मान एवं सशक्तिकरण की भावना को बढ़ावा देता है।

## विधायक रोहित ने परतेवा में की मां दुर्गा की पूजा-अर्चना

**राजिम।** नवरात्रि के अवसर पर विधायक रोहित साहू परतेवा पहुंचे। यहां दुर्गा पंडाल में देवी मां की पूजा अर्चना कर राजिम विधानसभा क्षेत्र की खुशहाली के लिए कामना किया।

इस अवसर पर विधायक श्री साहू ने कहा कि परतेवा गांव में लोगो की एकता देखने को मिलती हैं। पंच-सरपंच,उपसरपंच,गांव के विकास समिति के सदस्य सहित पूरे गांव के लोग एक साथ मिलकर मां दुर्गा की पूजा करते हैं। पूरे गांव में एक ही जगह मूर्ति बिठाकर 9 दिनो तक देवी मां की पूजा अर्चना आरती करते हैं यही गांव में एकता की मिसाल हैं। बता दें कि परतेवा में 1962 से अब तक अखंड रामायण ,जस गीत झांकी ,रामलीला का आयोजन प्रतिवर्ष होता है। गांव के सभी लोग चंदा इकट्ठा करते है। भंडारे की व्यवस्था सब मिलकर करते है। इस साल गांव में दुर्गा माता की मूर्ति को लक्ष्मण ध्रुव ,रुचिका ध्रुव ,दुर्गा ध्रुव द्वारा विराजित कराया गया।

## सेदबाहारा में लोक कला मंच रंग झांझर 3 अक्टूबर को

**रसेला।** ग्राम पंचायत सेम्हरा के आश्रित ग्राम सेदबाहरा में इस वर्ष भी दशहरा के पावन अवसर पर 3 अक्टूबर दिन शुक्रवार को सांस्कृतिक कार्यक्रम लोककला मंच रंग झांझर बटरेल जिला दुर्ग का रात्रिकालीन कार्यक्रम 8 बजे रखा गया है। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित होंगे क्षेत्रीय विधायक जनक राम ध्रुव, सरपंच ललिता कंवर, नीलकंठ ठाकुर,चमार सिंह नागेश, जनपद सदस्य नारायण सिन्हा,रेणु चन्द्राकार उपसरपंच, पुनीत ठाकुर,डोला नागेश, ग्राम पटेल गुहन सिंह नागेश, प्रीत राम सिन्हा, ठाकुर राम चन्द्राकार सहित आमंत्रित अतिथि उपस्थित रहेंगे। इस कार्यक्रम को

## महाअष्टमी पर पूजा, हवन और विशाल भंडारे का आयोजन

**नवापारा-राजिम।** नवरात्र के पावन अवसर पर शहर के वार्ड क्रमांक 1 में मातारानी दुर्गा उत्सव समिति द्वारा महाअष्टमी के दिन भव्य स्तर पर धार्मिक आयोजनों का समापन हुआ। समिति द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में विशेष पूजा-अर्चना और हवन का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। माता रानी के प्रति भक्ति और श्रद्धा के साथ पूजा-अर्चना ने पूरे क्षेत्र में आध्यात्मिक वातावरण का सृजन किया।

समिति ने विशाल भोग भंडारे का आयोजन किया, जिसमें हजारों की संख्या में स्थानीय निवासियों और आसपास के क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे में विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजनों का वितरण किया गया, जिसे लेकर लोगों में उत्साह देखा गया। यह भंडारा न केवल भक्ति का प्रतीक बना, बल्कि समुदाय में एकता और सहभागिता को भी बढ़ावा दिया। रात्रिकालीन कार्यक्रमों ने नवरात्र के उत्सव को और भी रंगीन बना दिया। प्रतिदिन आयोजित होने वाले देवी जस गीतों की प्रस्तुति ने नगर के वातावरण को भक्तिमय और उत्साहपूर्ण बनाए रखा। विशेष रूप से महाअष्टमी की रात्रि में आयोजित नाचा के कार्यक्रम ने दर्शकों का मन मोह लिया।

### स्थानीय लोगों का भरपूर मिला समर्थन

स्थानीय कलाकारों द्वारा प्रस्तुत इस पारंपरिक नाचा नृत्य ने वार्डवासियों और आगंतुकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, जिसे देखने के लिए भारी भीड़ उमड़ी। मातारानी दुर्गा उत्सव समिति के रवि साहू, सरोज साहू, शंकर साहू, मनोज साहू, मस्तराम साहू, हुमन साहू, नरेश साहू, कमलेश साहू, प्रमोद साहू, नरेंद्र साहू, सुनील साहू, खोमुल साहू, सदस्यों ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत रखना है। समिति के इस प्रयास को स्थानीय लोगों का भरपूर समर्थन मिला और कार्यक्रम की सफलता ने समुदाय में उत्साह और एकजुटता का संदेश दिया।

## राजिम भक्तिन माता हॉस्पिटल में हुआ स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार कार्यक्रम

**फिंगेश्वर।** देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी जन्म दिवस 17 सितम्बर से गांधी जी के जन्म जयंती 2 अक्टूबर तक चलने वाले सेवा पखवाड़ा के तहत राजिम भक्तिन माता हॉस्पिटल में स्वस्थ नारी – सशक्त परिवार विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं के स्वास्थ्य एवं उनके सशक्तिकरण पर विस्तृत चर्चा की गई।

कार्यक्रम के प्रमुख वक्ता राजू साहू ने कहा कि नारी यदि स्वस्थ होगी तो परिवार एवं समाज मजबूत होगा। परिवार के हर सदस्य की खुशहाली महिला स्वास्थ्य पर ही निर्भर करती है। इस अवसर पर जीवन दीप समिति सदस्य सीमा ठाकुर, मोती निषाद, ओमप्रकाश साहू एवं प्रेम लाल टोडर ने महिला स्वास्थ्य और सामाजिक जागरूकता पर अपने विचार रखे। डॉ. विनय लहरें, डॉ. भूपेंद्र कुर्रे एवं डॉ. अंकिता अग्रवाल ने महिला स्वास्थ्य संबंधी जानकारी देते हुए नियमित जांच, पोषण और बीमारियों से बचाव पर विशेष जोर दिया।

### स्वास्थ्य योजनाओं और सेवाओं की दी गई जानकारी

सुपरवाइजर आशा पोद्दार ने महिलाओं को सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं और सेवाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में उत्तम साहू एवं प्रकाश साहू ने सक्रिय सहयोग दिया। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. चक्रधारी ने किया। अंत में उपस्थितजनो को धन्यवाद ज्ञापित किया गया और यह संकल्प लिया गया कि महिला स्वास्थ्य एवं सशक्तिकरण के लिए समाज में निरंतर जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

## कुडेरादादर में हुआ भव्य गरबा महोत्स, ग्रामीणों ने मिलकर दिया सामाजिक संदेश

**रसेला।** रसेला के ग्राम कुडेरादादर में नवरात्र के अवसर पर मंगलवार को पहली बार गरबा महोत्सव बड़े उत्साह और भव्यता के साथ संपन्न हुआ। सुमधुर संगीत के बीच महिलाओं, युवतियों और पुरुषों ने मां दुर्गा की भक्ति में रंगीनी नृत्य प्रस्तुत कर समारोह की शोभा बढ़ाई।

गरबा महोत्सव में प्रतिभागियों ने रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में बेहतरीन ताल और लय के साथ दर्शकों को भी झूमने पर मजबूर कर दिया। सैकड़ों ग्रामीण भक्तों ने मां दुर्गा की भक्ति और शक्ति में लीन होकर इस उत्सव का भरपूर आनंद उठाया। संगीत, नृत्य और धार्मिक-देशप्रद थीम के अनूठे संगम ने ग्रामवासियों को एक यादगार अनुभव प्रदान किया। इस मौके पर जनपद सदस्य बिमला नागेश, सरपंच तुलेश्वर ध्रुव, ग्राम पटेल घनश्याम साहू, ग्राम प्रमुख नारायण सिंह ठाकुर, कृष्णा साहू ने गरबा को नृत्य एवं संगीत के साथ-साथ हमारी संस्कृति, परंपरा और आस्था का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि नवरात्रि शक्ति और भक्ति का पर्व है जो धर्म की विजय का संदेश देता है। कार्यक्रम में केजूराम ध्रुव, झवर अग्रवाल, ओमप्रकाश नागेश, संतराम जगत, सेवक साहू ने कहा कि इस तरह के आयोजन भावी पीढ़ी को हमारी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने में मदद करते हैं। दिलीप नागेश, खिलेश ठाकुर और विक्की अग्रवाल ने बताया कि रास गरबा का प्रभाव अब गुजरात से बाहर ग्रामीण इलाकों में भी देखने को मिल रहा है, जो सामाजिक एकता को मजबूत करता है।

**गरबा महोत्सव की सांस्कृतिक महत्ता :** गरबा नृत्य नवरात्रि पर्व के दौरान मां दुर्गा की भक्ति में मनाया जाने वाला पारंपरिक उत्सव है। यह नृत्य हमारी संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता का प्रतीक है, जो नई पीढ़ी को सांस्कृतिक धरोहर से जोड़ता है।

## सेवा पखवाड़ा एवं अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर हुआ जिला स्तरीय कार्यक्रम

**गरियाबंद।** सेवा पखवाड़ा एवं अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर आज वन विभाग स्थित एक्शन हॉल में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 200 से अधिक वरिष्ठ नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की। वृद्धजन को शॉल-श्रीफल और उपकरण वितरित कर सम्मानित किया गया। इस पर बुजुर्गों ने प्रसन्नता जताई।

कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष रिखी राम यादव, कलेक्टर बी.एस. उईके रहे, जिला पंचायत उपाध्यक्ष लालिमा ठाकुर, नगर पालिका उपाध्यक्ष आसिफ मेनन, समाज कल्याण विभाग के उप संचालक डी पी ठाकुर, पार्षद सूरज

सिन्हा, सुरेंद्र सोनटेके, रेणुका साहू, रामगुलाल सिन्हा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष रिखी राम यादव ने कहा कि ग्रामीण जीवन में पहले बड़े-बुजुर्ग ही प्रकरणों का निराकरण कर देते थे, पर अब छोटी-छोटी बातों में भी न्यायालय का सहारा लिया जाता है। वरिष्ठजनों का अनुभव और आशीर्वाद समाज को सही दिशा देने की ताकत रखता है। कलेक्टर श्री बी.एस. उईके ने कहा कि कालचक्र अपनी पुनरावृत्ति करता है, प्रकृति अपने स्वरूप में लौटती है। आज नई पीढ़ी को अपने परिवार की जड़ों और वटवृक्ष समान वृद्धजनों को समझना होगा तभी समाज सकारात्मक दिशा में अग्रसर होगा। वरिष्ठजनों के अनुभव ही सफलता की कुंजी हैं।

## डांगनबाय में ध्रुव परिवार ने धूमधाम से मनाया नवाखाई पर्व

**छुरा।** आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र अंचल के ग्राम डांगनबाय में ध्रुव परिवार द्वारा नवाखाई का पर्व परंपरा अनुसार धूमधाम से व बाजा के साथ मनाया गया।इस पर्व के एक दिन पहले परिवार के मुखिया उपवास रहकर साजा पेड़ से पत्तल तोड़कर लाते हैं उसके बाद अपने देवी देवताओं का विधि विधान अनुसार पूजा अर्चना शस्त्र पूजा खड़ा देव पूजा किया गया। शस्त्र लेकर जय घोष बड़ा देव की जय ,बुडा देव की जय ,दूल्हा देव की जय, आदि शक्ति पुरखा देव की जय के साथ,आराध्य देवी शीतला दाई में जाकर नवाखाई त्योहार आदिवासी बहुत ही विधि विधान से अपने देवी देवताओं की पूजन करते हैं।

आदिवासी किसान जो खेतों से धान के बाली लाई जाती है, उसमें से चावल को निकाल कर अपनी देवी देवताओं को चढ़ाते हैं। कुलदेवी,कुलदेव, इष्टदेव ,देवी माता-पिता , धारण धरनी ,शक्ति देव ,दूल्हा देव पाठ वाली दाई, मां प्रकृति दाई इस दिन परिवार नई धान की बाली के चावल के चिवड़ा का प्रसाद के रूप में पूरा परिवार साजा के पत्तल में ग्रहण करते हैं। नवाखाई त्यौहार एक कृषि का पर्व है आदिवासी प्रकृति पूजक है जिसमें नुआ का अर्थ नाया और खाई का अर्थ खाना होता है, और इस त्यौहार के दिन देवी देवताओं व अपने पूर्वजों की पूजा की जाती है। इस दिन परिवार में अपने से बड़ों का आशीर्वाद लिया जाता है व परिवार में खुशहाली की कामना करते हैं।

**ये रहे उपस्थित :** इस मौके पर प्रमुख रूप से राम शरण ध्रुव , टिकेश्वर ध्रुव ,शीतल ध्रुव ,शिवेंद्र ध्रुव, भूपेंद्र कुमार ध्रुव ,हीरालाल ध्रुव ,राजेंद्र कुमार ध्रुव ,सोनू ध्रुव, डिगेंद्र ध्रुव नारदराम ध्रुव ,कोमल ध्रुव ,हर्षधुव , तरूण ध्रुव,सूरज ध्रुव , बिगेद्रधुव,चंद्रहास ध्रुव कुणाल धुव,तुव्यम ध्रुव उपस्थित रहे।

# परिक्षेत्र साहू समाज छुरा के लगातार दूसरी बार अध्यक्ष बने नरोत्तम साहू

**छुरा।** परिक्षेत्र साहू समाज छुरा का निर्वाचन बड़े ही शांति पूर्ण एवं सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस निर्वाचन में समाज के वरिष्ठजनों एवं पदाधिकारियों की उपस्थिति में मतदान प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से पूरी की गई।अध्यक्ष पद पर इस बार मु का ब ला काफी दिलचस्प रहा। अध्यक्ष पद के लिए दो दिग्गज पूर्व अध्यक्ष मैदान में थे नरोत्तम साहू एवं चमन लाल साहू। प्रारंभ में यह कयास लगाया जा रहा था कि चुनाव रोमांचक रहेगा, किंतु परिणाम में बड़ा उलटफेर देखने को मिला।

■ परिक्षेत्र साहू समाज छुरा का शांतिपूर्ण चुनाव सम्पन्न

नरोत्तम साहू ने रिकॉर्ड 74 मतों के साथ शानदार जीत दर्ज की, जबकि उनके प्रतिद्वंदी चमन लाल साहू को मात्र 40 वोट ही प्राप्त हो सके। कुल 116 मतदाताओं ने मतदान किया, जिनमें से 2 मत अमान्य घोषित किए गए। इस प्रकार नरोत्तम साहू लगातार दूसरी बार परिक्षेत्र साहू समाज छुरा के अध्यक्ष चुने गए।इसी क्रम में अन्य पदों पर भी चुनाव हुए –पुरुष उपाध्यक्ष पद पर नन्द कुमार साहू ने 78 वोट प्राप्त कर विजय हासिल की।महिला उपाध्यक्ष पद पर कमला बाई साहू ने 75 वोट से जीत दर्ज की।महिला संगठन सचिव पद पर अनिता साहू ने 77 मतों के साथ जीत हासिल की।वहीं पुरुष संगठन सचिव पद के लिए एक प्रत्याशी का नामांकन निरस्त हो जाने के कारण भीखम साहू को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। निर्वाचन प्रक्रिया को सफल एवं शांतिपूर्ण बनाने में समाज के अनेक वरिष्ठजनों और पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

निर्वाचन पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित रहे अवध राम साहू अध्यक्ष, तहसील साहू संघ, त्रिलोचन साहू संरक्षक, राजेश साहू संरक्षक वहीं निर्वाचन अधिकारी के रूप में जिम्मेदारी निभाई – महेंद्र साहू संयोजक, न्याय प्रकोष्ठ तहसील छुरा, मोतीलाल साहू शिक्षक एवं संयोजक कर्मचारी प्रकोष्ठ, गजेंद्र कुमार साहू सचिव, सदस्य कर्मचारी प्रकोष्ठ, महेंद्र कुमार साहू अध्यक्ष, मडेली परिक्षेत्र, वीरेंद्र कुमार साहू शिक्षक एवं अध्यक्ष, पाण्डुका परिक्षेत्रइन सभी की सक्रिय भूमिका और सतर्क निगरानी के चलते चुनावी प्रक्रिया निष्पक्ष और सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई।परिक्षेत्र साहू समाज छुरा के इस निर्वाचन ने न केवल समाज की एकता और संगठन क्षमता को दर्शाया, बल्कि लोकतांत्रिक परंपरा को भी मजबूती प्रदान की।

## राजिम विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस संगठन को मजबूत करने की कवायद तेज

**श्यामनगर।** संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत राजिम विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने फिंगेश्वर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष रूपेश साहू के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज से सौजन्य मुलाकात की। यह मुलाकात राजधानी रायपुर स्थित राजीव भवन में हुई, जहां पार्टी संगठन को मजबूत करने को लेकर विस्तृत चर्चा हुई।

इस दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज को राजिम क्षेत्र में आमंत्रित भी किया। मुलाकात में पार्टी संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने और कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा देने पर विशेष जोर दिया गया।

भेंट करने वालों में मुख्य रूप से ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष रूपेश साहू, मीडिया प्रभारी टिकेश साहू, राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस के जिला अध्यक्ष होरीलाल वर्मा, ज़ोन अध्यक्ष मुकेश भारती, सहित खिलेश साहू, खेमू साहू, सुंदर साहू, वीरेंद्र साहू, देवानंद साहू, रमेश साहू, तेजेश यदु, मनोज सोनवानी, धरमवीर वर्मा और गिरधारी यादव प्रमुख रूप से शामिल रहे।

HEALTH TOWN
आयुर्वेदिक कैंसर क्लिनिक
Dr. Hrituraj Taank
B.A.M.S.
Nadi Parikshak By
Sri Sri Tattva
Bengaluru
सभी तरह के कैंसर का बिना साइड इफेक्ट के आयुर्वेद एवं पंचकर्म द्वारा संपूर्ण ईलाज
पताः चरक हैल्थ क्लिनिक, दुबे कालोनी, मोवा, रायपुर (छ.ग.), 9926644448, 9630053692
विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

**खबर संक्षेप**

## भोज में 21 कन्याएं हुई शामिल, मिला उपहार

नवापारा-भेण्डरी। भेण्डरी में 21 कन्याओं को भोजन कराया गया। पंडित राकेश शुक्ला के मंत्रोच्चारण के बीच में शीतला माता मंदिर में हवन पूजन व आरती का आयोजन हुआ। इस अवसर पर ग्राम समिति अध्यक्ष नीलकंठ सिन्हा, जनपद सदस्य विनीता संतशरण साहू, सरपंच राजेश्वरी-आनंद पटेल, पूर्व सरपंच प्रीतराम देवांगन, माणसमणी देवांगन, कोमल सिन्हा, अशोक साहू,चुनू राम साहू, उपसरपंच राधे पटेल, घनश्याम साहू,रोहित पटेल , बिसाहू सिन्हा, दिलिप साहू बैगा संतराम साहू,पंडा सुनील साहू,सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी मौजूद थे। ग्रामीणो की मौजूदगी में ज्योत जंवारा का विसर्जन किया गया।

## दुलना में साहू समाज के शपथ ग्रहण में पहुंचे पूर्व विधायक धनेन्द्र साहू

**नवापारा-राजिम।** दुलना में साहू समाज के शपथ ग्रहण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे पूर्व विधायक धनेन्द्र साहू ने सभी पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि समाज को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य करें। देश की 11 प्रतिशत आबादी साहू समाज की है। यदि हम आपसी भेदभाव से ऊपर उठकर काम करें तो समाज बड़ी ताकत बन सकता है।

साहू समाज के अध्यक्ष ओमनारायण साहू ने कहा कि जो मुझे जिम्मेदारी सौंपी गई है उस पर मैं खरा उतरूंगा। समाज की समस्याओं को दूर करने का हरसंभव प्रयास करूंगा। उमराव साहू ने कहा कि पदाधिकारी समाज हित को सर्वोपरि मानकर कार्य करें। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष हेमंत कुमार साहू, महिला उपाध्यक्ष केवरा देवी साहू, संगठन सचिव यशवंत कुमार साहू, संगीता साहू, मुकेश साहू, चंद्रहास साहू, गोपेश साहू, उमेश साहू, गोपाल साहू, सुंदरलाल साहू, सुरेश हिरवानी, हेमू साहू, मोती, पिंटू, राजेन्द्र, दशरथ साहू सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद थे।

## सेवानिवृति पर दी एचएम पवन को शुभकामनाएं

**अभनपुर।** शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला बड़े उरला के प्रधान पाठक पवन गुरुपंच 30 सितम्बर को सेवानिवृत्त हो गए।

अपने सेवाकाल में उन्होंने शिक्षा, साक्षरता और खेलकूद के क्षेत्र में विशेष योगदान दिया। उनके मार्गदर्शन में विद्यालय ने संभागीय परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा कई छात्र राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं तक पहुँचे। शिक्षक जीवन के दौरान उन्हें विधायक, विकासखण्ड परियोजना अधिकारी, जिला पंचायत सीईओ व कलेक्टर से प्रशस्ति पत्र प्राप्त हुआ। वे छत्तीसगढ़ तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के प्रांतीय सहसचिव व तहसील अध्यक्ष भी रहे। उनके सेवानिवृत्त होने पर प्रोफेसर पतराम साहू, बी.बी. वर्मा, मदनलाल चंदन, टेकचंद साहू, बी.आर. धृतलहरे, अशोक सेन, बुद्धेश्वर वर्मा सहित कई साथियों एवं विद्यालयीन स्टाफ ने शुभकामनाएँ दीं।

पर्व : 2 अक्टूबर को राजभर के देवी-देवताओं की सवारी पहुंचेगी, रैनी मारकर मनाई जाएगी विजयादशमी

# भाटीगढ़ में ऐतिहासिक चार दिवसीय देव दशहरा पर्व का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर

मैनपुर विकासखंड के प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थल भाटीगढ़ में नवरात्र के नवमी तिथि पर चार दिवसीय देव दशहरा पर्व का शुभारंभ बुधवार को पूजा-अर्चना के साथ हुआ। यह पर्व क्षेत्र की आदिवासी संस्कृति से जुड़ा एक ऐतिहासिक और अनूठा आयोजन है, जिसमें 02 अक्टूबर को राजभर के देवी-देवताओं की सवारी के साथ रैनी मार कर विजयादशमी का उत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा।

- आदिवासी संस्कृति से जुड़ा अनूठा पर्व, हजारों श्रद्धालुओं का समागम

देव दशहरा के दौरान क्षेत्र भर के 84 गांवों के देवी-देवताओं की सवारी भाठीगढ़ पहुंचती है। हजारों श्रद्धालु गाजे-बाजे के साथ इस भव्य शोभा यात्रा में शामिल होते हैं। देवी देवताओं की सवारी नेगी परिवार के घर पहुंचकर तलवार, खड़क, हथियारों की पूजा के बाद देवी दंतेवरी मां के मंदिर में पूजा-अर्चना की जाती है। शाम को राज देवी माता जिड़ारिन की भी स्वागत किया जाता है, जहां मां बस्तरीन, गादी माई, खड़ागोसाईं दाई सहित सभी देवी-देवता मिलकर रैनी मार कर गढ़ चढ़ाई की रस्म अदा करते हैं।

तीसरे दिन क्षेत्र के लोग देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना करते हुए सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हैं। सभी देवी-देवताओं को पान-सुपारी भेंटकर विदाई दी जाती है। चौथे दिन मां दंतेवरी, मां बम्हनीन, मां काला कुंवर और मां पाठ देवी के मंदिरों में पूजा के साथ पर्व हर्षोल्लास और क्षमा याचना के साथ संपन्न होता है। इस दौरान यहां छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। यह पर्व न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि भाठीगढ़ की सांस्कृतिक समृद्धि और सामाजिक मेलजोल को भी मजबूती प्रदान करता है।

### भाठीगढ़ का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व

भाठीगढ़ क्षेत्र का पैरी उद्गम स्थल धार्मिक आस्था का केंद्र है, जहां सदियों से देव दशहरा पर्व मनाया जा रहा है। यह पर्व आदिवासी परंपरा और संस्कृति का अनूठा संगम है, जिसमें देवी-देवताओं की पूजा, पारंपरिक नृत्य, शौर्य प्रदर्शन और मेलों का आयोजन होता है। भाठीगढ़ क्षेत्र के लोग इसे अपनी सांस्कृतिक विरासत और धार्मिक पहचान मानते हैं।

### मेला और सांस्कृतिक कार्यक्रम

विजयादशमी के दिन भाठीगढ़ में भव्य मेला लगता है जिसमें आसपास के प्रदेशों से व्यापारी और श्रद्धालु बड़ी संख्या में शामिल होते हैं। शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जो क्षेत्र की लोकसंस्कृति और परंपराओं को जीवंत रखते हैं। यह पर्व सामाजिक एकता और सामूहिक उत्साह का भी प्रतीक है।

## कांदाडोंगर में धूमधाम से मनेगा देव दशहरा पर्व

**मैनपुर।** मैनपुर विकासखंड के कांदाडोंगर में आगामी 2 अक्टूबर 2025 को विजयादशमी के पावन अवसर पर देव दशहरा पर्व बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस धार्मिक आयोजन के लिए तैयारियां जोर-शोर से जारी हैं, जिसमें 84 गांव के देवी-देवताओं की भव्य शोभायात्रा, पूजा-अर्चना, नृत्य और शक्ति प्रदर्शन शामिल होंगे। हजारों श्रद्धालु इस पर्व में शामिल होने के लिए पहुंचेंगे।

सुबह 9 बजे क्षेत्र भर से देवी-देवताओं के ध्वज कांदाडोंगर पहुंचेंगे। दोपहर 12 बजे से कचना ध्रुवा में चार-चौरासी देवी-देवताओं की पूजा, नृत्य और शक्ति प्रदर्शन का आयोजन होगा। शाम 4 बजे मां कुलेवरी, मां खंबेवरी सहित सभी देवी-देवताओं का मिलन होगा और रैनी मार पूजा-अर्चना के साथ पर्व का समापन होगा। यह आयोजन परंपरा अनुसार गाजे-बाजे के साथ भव्यता से किया जाएगा।

क्षेत्रीय मान्यता है कि त्रेतायुग में भगवान श्रीराम और लक्ष्मण माता सीता की खोज करते हुए कांदाडोंगर की पहाड़ी पर आए थे। यहां कई गुफाएं हैं जिन्हें लक्ष्मण झूला, हनुमान झूला और ऋषि तपस्थली के नाम से जाना जाता है। जब श्रीराम ने लंका पर विजय प्राप्त की, तो कांदाडोंगर में विराजमान देवी मां कुलेवरी, मां खंबेवरी और 84 गांव के देवी-देवताओं ने एकत्र होकर विजयदशमी का पर्व धूमधाम से मनाया था। तब से यह पर्व परंपरागत रूप से मनाया जा रहा है और आज भी छत्तीसगढ़ सहित ओडिशा के श्रद्धालु बड़ी संख्या में यहां आते हैं। मैनपुर विकासखंड के ग्राम गुढ़ियारी में स्थित कांदाडोंगर पहाड़ी क्षेत्रीय आस्था का प्रमुख केंद्र है, जहां हर वर्ष दशहरा के दिन हजारों श्रद्धालु एकत्रित होते हैं। यह पर्व क्षेत्र की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान का प्रतीक है।

**कांदाडोंगर का धार्मिक महत्व और प्राकृतिक सौंदर्य :** कांदाडोंगर पहाड़ी न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि इसकी प्राकृतिक सुंदरता भी पर्यटकों को आकर्षित करती है। यहां 84 गांव की देवी मां कुलेवरी का प्राचीन मंदिर है और पहाड़ी की चोटी पर जलकुंड है जिसका पानी कभी सूखता नहीं। घने जंगल और हरियाली इस क्षेत्र की शोभा बढ़ाते हैं।

### आदिवासी परंपरा और दशहरा का अनूठा उत्सव

यहां दशहरा पर्व आदिवासी परंपरा अनुसार मनाया जाता है। इस पर्व में रावण वध नहीं किया जाता, बल्कि 84 गांव के देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना की जाती है। स्थानीय विधायक, जनप्रतिनिधि, पुजारी, बैगा और सिरहा आदि इस आयोजन में भाग लेते हैं। क्षेत्र में सुख, शांति और समृद्धि के लिए मां से प्रार्थना की जाती है।

### आतिशबाजी के साथ होगा 40 फीट ऊंचे रावण का दहन

**मैनपुर।** तहसील मुख्यालय मैनपुर नगर सहित पूरे विकासखण्ड क्षेत्र में विजयादशमी पर्व को लेकर जोरशोर से तैयारी किया जा रहा है तहसील मुख्यालय मैनपुर नगर में प्राथमिक शाला मैदान के सामने सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति द्वारा इस वर्ष भी दशहरा पर्व पर 40 फीट उंचे रावण के पूतले का दहन किया जायेगा जिसके लिए रावण का पूतला तैयार किया जा रहा है और आकर्शक आतिशबाजी किया जायेगा। शाम 6 बजे रामलीला का मंचन के बाद रावण दहन कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसके लिए व्यापक स्तर पर तैयारी किया जा रहा है वही क्षेत्र के ग्रामीण इलाको में भी दशहरा पर्व के लिए रावण के पूतलो का रंगरोगन कार्य जारी है।

### पतोरा में धूमधाम से मनाया जाएगा दशहरा

**छुईहा बेलर।** ग्राम पतोरा में विजयी दशमी का पर्व के उपलक्ष्य में दशहरा महोत्सव शुक्रवार को मनाया जायेगा। क्षेत्र का एक मात्र पतोरा गांव में दशहरा त्योहार विजयी दशमी के एक दिन बाद समस्त ग्रामवासियों के तत्वावधान सह ग्रामपंचायत की सहयोग से एकादशी में मनाने की परम्परा है । इस दिन इस त्योहार को बड़े उत्साह से मनाते हैं, आसपास गांव के लोग देखने पहूंचते है जिससे लोगो की अच्छी बड़ी भीड़ देखने को मिलता है। हर वर्ष की भांति इस अवसर पर रात्रि कालीन छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक नाचा मोगरा पाली का कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

## गायत्री शक्ति पीठ में नवरात्रि पर नौ दिनों तक हुए विविध अनुष्ठान

**छुरा।** गायत्री शक्तिपीठ छुरा में शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर आयोजित नौ दिवसीय साधना का समापन नवमी तिथि को धार्मिक अनुष्ठान और विविध कार्यक्रमों के साथ हुआ। इस दौरान पूरे नगर में श्रद्धा और भक्ति का विशेष वातावरण देखने को मिला।

पूरे नौ दिनों तक महिला मंडल की बहनों द्वारा नगर के विभिन्न क्षेत्रों में दीप यज्ञ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने गायत्री परिवार के 100 वर्ष पूर्ण होने की जानकारी आमजनों को दी। कई साधकों ने संकल्पपूर्वक उपवास रखकर गायत्री मंत्र साधना की तथा तन-मन का परिशोधन किया। प्रतिदिन तीन कुंडीय यज्ञ सम्पन्न हुआ और नवमी तिथि को पांच कुंडीय यज्ञ के माध्यम से साधना की पूर्णाहुति की गई।पूर्णाहुति यज्ञ में मुख्य यजमान के रूप में हरि मेश्राम, ओमप्रकाश यादव, राधिका यादव, नरसिंह-खिलेश्वरी सोम, तिजऊ-घासिन साहू एवं पुखराज-खुशबू ठाकुर ने विशेष भूमिका निभाई।

### वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान

1 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय वृद्ध दिवस के अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानित किया गया।सम्मानित वरिष्ठजन – सर्व गोपाल निषाद, चतुर सिंह दीवान, प्रभु सिन्हा, भरत साहू, नेमीचंद साहू, हरि मेश्राम, श्रीमती जयसुधा गुप्ता, सरोज गुप्ता, गोमती यादव, गीता चंद्राकर एवं अन्य वरिष्ठजन रहे। उन्हें श्रीफल, युग साहित्य एवं मंत्र लेखन कापी भेंटकर सम्मानित किया गया तथा उनके आशीर्वाद से कार्यक्रम की गरिमा और भी बढ़ गई।

### कन्या पूजन एवं आशीर्वाद

परंपरानुसार कन्याओं का पूजन कर उन्हें प्रसाद, उपहार एवं आशीर्वाद दिया गया। इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने कन्या रूप में शक्ति की आराधना करते हुए सुख-समृद्धि एवं मंगलमय जीवन की कामना की।

### कार्यकर्ताओं का योगदान

कार्यक्रम की सफलता में गायत्री परिवार एवं स्थानीय कार्यकर्ताओं का अमूल्य योगदान रहा। इनमें प्रमुख रूप से –दीपाली सारस्वत, मीना यादव, मीना मेहता, रामेश्वरी साहू, मधुबाला साहू, कृष्णा साहू, रीता कोठारी, आरती गुप्ता, संध्या यदु, केशव प्रसाद साहू, भुनेश्वर पटेल, हर्षिता पटेल, दिलीप साहू, नंदनी साहू सहित अनेक कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी उल्लेखनीय रही।

### भक्ति और सेवा का संगम

गायत्री शक्तिपीठ छुरा का यह आयोजन केवल धार्मिक साधना तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसमें भक्ति, सेवा और संस्कार तीनों का समन्वय देखने को मिला। साधना, यज्ञ, वृद्ध सम्मान और कन्या पूजन के साथ यह आयोजन समाज के सभी वर्गों के लिए प्रेरणादायी संदेश छोड़ गया।

## हवन व कन्या पूजन के साथ भक्ति का उल्लास चरम पर

**छुरा।** शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर अष्टमी के दिन नगर में धार्मिक उत्साह और भक्ति भाव से हवन एवं कन्या भोज का आयोजन किया गया। नगर के शीतला मंदिर, गायत्री मंदिर सहित विभिन्न देवी मंदिरों और घर-घर में भक्तों ने विधि-विधान से अष्टमी हवन किया।

हवन के उपरांत परंपरानुसार कन्या पूजन और कन्या भोज कार्यक्रम आयोजित हुआ। श्रद्धालुओं ने नौ रूपों में देवी शक्ति का आह्वान करते हुए नौ कन्याओं तथा एक लघु कुमार (लघु गरु) को देवी स्वरूप मानकर पूजन किया। माता के नौ रूपों की प्रतीक नौ कन्याओं को विधिवत पांव धोकर, चुनरी ओढ़ाकर, तिलक लगाकर पूजित किया गया। इसके बाद उन्हें भोजन कराकर उपहार व दक्षिणा प्रदान की गई।

**कन्याओं ने उपहार स्वीकार कर दिया आशीर्वाद :** अष्टमी तिथि को माँ महागौरी, नवे दिन सिद्धिदात्री की पूजा का विशेष महत्व बताया गया। श्रद्धालुओं ने माँ महागौरी की आराधना कर सुख, शांति, समृद्धि और जीवन में सफलता की कामना की। नगर के प्रमुख मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की भीड़ लगी रही। महिलाओं ने व्रत-उपवास कर माता की विशेष आरती उतारी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, महिलाएँ एवं बच्चे सम्मिलित हुए।

## श्रद्धा भक्ति के साथ हुआ जवांरा विसर्जन

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर

नवरात्र के पर्व तहसील मुख्यालय मैनपुर सहित पूरे विकासखंड क्षेत्र मे धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है दुर्गा अष्टमी हवन पूजन के पश्चात आज बुधवार को सुबह से जंवारा विसर्जन का सिलसिला प्रारंभ हुआ। वन विभाग परिसर स्थित दुर्गा मंदिर से सुबह 7 बजे पूरे विधि विधान के साथ सिर मे कलश व जंवारा लेकर शोभा यात्र निकाली गई जो हरदीभाठा तालाब मे पहुंचकर पूजा अर्चना के पश्चात जंवारा विसर्जन किया गया। वहीं नवकन्या पूजा व भोज का भी आयोजन किया गया। क्षेत्र के प्रमुख धा्थल पैरी उद्गम भाठीगढ़, मैनपुर कला, शोभा, गोना, गौरगांव, कुंचेगा, तौरेंगा, भगवती मंदिर, मां बम्लेश्वरी मंदिर, जिड़ार, गौरघाट, मे जंवारा विसर्जन किया गया। मैनपुर दुर्गा मंदिर के पुजारी पंडित योगेश शर्मा ने बताया कि नवरात्र आज नवमीं पर श्रध्दाभक्ति के साथ जंवारा विसर्जन किया गया, साथ ही कन्याभोज महाभंडारा प्रसाद वितरण किया गया।

### भंडारे में प्रसाद किया ग्रहण

**अभनपुर।** महाअष्टमी पर बजरंग चौक खोरपा में भंडारे का आयोजन किया गया, सैकड़ों लोगों ने लिया प्रसादी का लाभ लिया।

## नौ कन्या का पूजन कर भेंट किया उपहार

**छुईहा बेलर।** शारदीय नवरात्र महापर्व में नौ दिन साधकजन श्रद्धा और भक्ति के साथ साधना एवं अनुष्ठान करते रहे। इसी क्रम में अष्टमी-नवमी के पावन अवसर पर साधकों ने अपने-अपने निज निवास में विधि-विधान से नवकन्या पूजन संपन्न किया। श्रद्धालु भक्तों ने कन्याओं का पूजन कर उन्हें भेंट-उपहार प्रदान किए और अन्न-प्रसाद वितरित कर माता दुर्गा के चरणों में अपनी आस्था अर्पित की। नवरात्रि पर्व के इस विशेष अनुष्ठान में कन्या पूजन को मां दुर्गा की वास्तविक आराधना माना गया। भक्तों ने मान्यता के अनुसार कन्याओं को देवी स्वरूप मानकर उनका पूजन किया और मंगलकामना की कि घर-परिवार एवं समाज में सुख-शांति, समृद्धि और मंगलमय वातावरण बना रहे। पूरे नौ दिनों तक चली साधना एवं आराधना का समापन भक्ति, आस्था और परंपरा के उल्लास के साथ हुआ।

## नवरात्रि पर भक्ति में लीन दिखे जिपं अध्यक्ष गौरीशंकर कश्यप

**मैनपुर।** गरियाबंद जिले के जिला पंचायत के युवा अध्यक्ष गौरीशंकर कश्यप इन दिनो लगातार शारदीय नवरात्र के अवसर पर क्षेत्र के देवी मंदिरो एवं सार्वजनिक दुर्गा उत्सव द्वारा आयोजित मातारानी का जगराता भजन कार्यक्रम में शामिल होने पहुंच रहे है इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष गौरीशंकर कश्यप ने मां दुर्गा की पूजा अर्चना कर क्षेत्र में सुख शांति समृद्धि और खुशहाली की कामना किया साथ हने जसगीत एवं भजन गाकर अपने साथ सैकड़ो भक्तो को झुमने मजबुर कर दिया। ज्ञात हो कि गौरीशंकर कश्यप एक अच्छे कवि के रूप में भी जाने जाते है। जिला पंचायत अध्यक्ष लगातार क्षेत्र के विभिन्न ग्रामो में पहुंचकर कार्यक्रमो में शामिल हो रहे है और लोगो से मुलाकात कर रहे है इस दौरान लोगो की समस्याओं को सूनकर समस्या समाधान करने का भी प्रयास कर रहे है।

मुख्य कलाकारों ने कराई मनमोहक प्रस्तुति, जिला पंचायत सभापति और सरपंच ने की प्रशंसा

## माता के दरबार में 9 दिनों तक शीतला म्यूजिकल की हुई भजन संध्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ छुरा

शारदीय नवरात्रि के पावन नौ दिनों में मां शीतला म्यूजिकल भजन संध्या छुरा ने विभिन्न देवी स्थलों एवं दुर्गा स्थलों पर नवरात्र के नौ दिनों तक अपनी हाजरी माता के भक्तिमय कराओके भजन एवं मनमोहक नृत्यों के साथ लगाई। प्रथम दिवस मौली माता के दरबार फिंगेश्वर में दूसरे दिन सड़क परसुली गरियाबंद के दुर्गोत्सव स्थल तीसरे दिन दादरगांव पुराना दुर्गा पंडाल चौथे दिन ग्राम चरौदा के सार्वजनिक दुर्गा मंच पांचवे दिन टेंगनही माता के दरबार छठे दिन आदर्श दुर्गोत्सव समिति दरबा अभनपुर के आंगन में सातवें दिन ग्राम हसदा मगरलोड की दुर्गा माता के दरबार में आठवें दिन मां चंडी घुंचापाली बागबाहरा के दरबार में एवं नवें दिवस ग्राम डांगनबाय में हाजरी लगाकर भाव पुष्प समर्पित किए।

**शारदीय नवरात्रि में छुरा एवं आसपास के देवी-स्थलों पर भजन एवं नृत्यों से गूंजा भक्ति संगीत**

लोग नवरात्रि में अपनी अपनी श्रद्धा के अनुसार माता की भक्ति करते हैं कोई निर्जला उपवास रहता है तो कोई फलाहार करते हैं कोई अपने घरों में अखंड दीप जलाते है लेकिन कलाकार अपनी कला और प्रतिभा के साथ माता की भक्ति करते हैं माँ शीतला म्यूजिकल भजन संध्या के कलाकारों ने गायन और नृत्य के माध्यम से भक्ति की जिसमें मुख्य गायक नेमिचंद यादव के साथ सहायक गायक धनंजय हरित फिंगेश्वर विनोद कुमार देवांगन भगवान चंद्राकर इंजीनियर गरियाबंद ऋषि कुमार साहू रुपेश शर्मा ने हाजरी लगाई गायिका के रुप में बेबी सिमरन कमार बिरोडार सह गायिका बेबी यंजना साहू बिरोडार रहीं इसी प्रकार भाव पक्ष में मुख्य कलाकार व नृत्य निदेशक के पंकेश्वर ठाकुर पप्पू सहयोगी कलाकार कु जागृति कु कल्याणी कु अमृता कु अनिता कु प्रतिभा कु नूतन कु लतिका एवं डिगेन्द्र रहे।

सभी कलाकार ग्राम देवरी के निवासी हैं कार्यक्रम में उद्घोषक संचालक की भूमिका हीरालाल साहू समय और रुपेश कुमार शर्मा ने निभाई साथ ही सहयोगी के रुप में सुश्री संगीता ठाकुर और सुश्री मनीषा दीवान ने योगदान दिया। कार्यक्रम की सराहना जिला पंचायत सभापति लेखराज ध्रुवा और सरपंच दरबा अभनपुर ने प्रसन्नन मन से की।